बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



नूह जहाज़ बनाता है

जो होने वाला है उसे देखने से पहले भी परमेश्वर पर भरोसा और उसकी आज्ञा मानने की कहानी।



पृथ्वी बुराई से भर गई

समय बीतने पर बहुत से लोगों ने हिंसा और बुरे विचारों को अपने जीवन का मार्गदर्शन करने दिया। परमेश्वर की बनाई पृथ्वी अन्याय से भर गई।



नूह परमेश्वर के साथ चलता था

जो कुछ हो रहा था उसे देखकर परमेश्वर दुखी हुआ। पर नूह अपने समय के लोगों में धर्मी मनुष्य था। वह परमेश्वर पर भरोसा करता और उसके साथ चलता था। उसके तीन पुत्र थे: शेम, हाम और येपेत।



परमेश्वर ने नूह से बात की

परमेश्वर ने नूह को बताया कि हिंसा ने पृथ्वी को भ्रष्ट कर दिया है और वह उस बुराई का अन्त करेगा। उसने यह भी बताया कि उसके परिवार और जीवित प्राणियों को कैसे सुरक्षित रखा जाए।



एक बड़ा जलप्रलय आने वाला था

परमेश्वर ने कहा कि वह पृथ्वी पर जलप्रलय लाएगा। आश्रय के बाहर रहने वाला हर जीव नष्ट हो जाएगा, इसलिए नूह को सबको जहाज़ में आने का निमंत्रण देना था।



एक जहाज़ बना

परमेश्वर ने कहा, ‘अपने लिए गोपेर की लकड़ी का जहाज़ बना।’ उसमें कोठरियाँ हों और भीतर-बाहर राल लगाई जाए ताकि पानी अन्दर न आए।



बहुत विशाल निर्माण

जहाज़ तीन सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा और तीस हाथ ऊँचा होना था। यह बहुत विशाल निर्माण था। नूह और उसके परिवार ने सावधानी से उसकी नींव तैयार करनी शुरू की।



ढाँचा ऊँचा होने लगा

नूह, शेम, हाम और येपेत ने मजबूत बल्लियाँ खड़ी कीं और बड़ी तख्तियाँ जोड़ीं। धीरे-धीरे जहाज़ का ढाँचा सूखी भूमि के ऊपर उठने लगा।



सारी लकड़ी सुरक्षित की

परिवार ने मिलकर लकड़ी पर ध्यान से राल लगाई। परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार उन्होंने भीतर और बाहर दोनों ओर ऐसा किया ताकि जहाज़ सुरक्षित रहे।



तीन मंजिलें और बहुत से स्थान

परमेश्वर ने जहाज़ के भीतर तीन मंजिलें बनाने को कहा था। नूह ने परिवार, पशुओं और भोजन की आवश्यक वस्तुओं के लिए कमरे और अलग-अलग स्थान बनाए।



एक द्वार और एक खिड़की

जहाज़ के एक ओर एक द्वार होना था। ऊपर की ओर एक हाथ की खुली जगह छोड़ी जानी थी। इस प्रकार परमेश्वर के बताए सारे विवरण पूरे हुए।



परमेश्वर ने वाचा बाँधी

परमेश्वर ने नूह के साथ अपनी वाचा बाँधने की प्रतिज्ञा की। समय आने पर नूह, उसकी पत्नी, उसके पुत्र और उनके पत्नियाँ जहाज़ में प्रवेश करेंगे।



पशु और भोजन

परमेश्वर ने कहा कि हर प्रकार के पशु और पक्षी का एक जोड़ा जीवित रखने के लिए भीतर आएगा। नूह को अलग-अलग भोजन भी इकट्ठा करके परिवार और पशुओं के लिए रखना था।



नूह ने परमेश्वर की सारी आज्ञा मानी

नूह ने ठीक वैसा ही किया जैसा परमेश्वर ने उससे कहा था। जहाज़ तैयार हो गया। जलप्रलय अभी शुरू नहीं हुआ था, फिर भी हर निर्देश मानकर नूह ने अपना विश्वास दिखाया।